गरभ करे सो गिवारां
जोबन माया पावणा दिन च्यारा

पशु चाम की बणे पन्हैय्या
ढोलक बणे नगाडा
नर तेरी चाम काम कोनी आव
जळभल होत अंगारा
जोबन माया पावणा दिन च्यारा

हाड मास का बण्या पिंजरा
भीतर भरया भंगारा
ऊपर रंग सुरंग लगाया
कारीगर करतारा
जोबन माया....

बीस भुजा दस मस्तक जिनके
पुत्र घणा परिवारा
ऐसा मर्द गरद माही मिलग्या
लंक पति सरदारा
जोबन माया.....

गरभ करयो डूंगर वाली चिरमी
मुह काला कर डाला
गरभ करयो रतनागर सागर
नीर खारा कर डाला
जोबन माया.....

यो संसार ओस वालो मोती
गलता ने लागे कोनी बारा
कहत कबीर सुणो भाई साधो
हरभज उतरो पारा
जोबन माया.....